ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

भारत मौसम विज्ञान विभाग

आईसीएआर - केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान

जोधपुर, राजस्थान

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 29-12-2023

जोधपुर(राजस्थान) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-12-29 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-12-30	2023-12-31	2024-01-01	2024-01-02	2024-01-03
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	28.0	28.0	27.0	26.0	26.0
न्यूनतम तापमान(से.)	12.0	12.0	11.0	10.0	10.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	42	41	36	30	31
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	24	22	19	17	16
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	13	16	14	12	12
पवन दिशा (डिग्री)	52	42	36	34	47
क्लाउड कवर (ओक्टा)	8	1	0	0	0

मौसम सारांश / चेतावनी:

आगामी पांच दिनों में अधिकतम तापमान 26.0 से 28.0 डिग्री सेंटीग्रेड और न्यूनतम तापमान 10.0 से 12.0 डिग्री सेंटीग्रेड रहने की सम्भावना।

सामान्य सलाहकार:

आने वाले दिनों में शुष्क मौसम को देखते हुए, किसान भाई गेहूं, चना, ईसबगोल, जीरा आदि फसलों व सब्जियों में सिंचाई करें।

लघु संदेश सलाहकार:

आने वाले दो दिनों में आसमान में बादल छाए रहने की संभावना है।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
सरसों	सरसों की फसल में किसान भाई चेपा कीट की लगातार निगरानी करते रहें। कीट का प्रकोप दिखाई देने पर डाइमेथोएट 30 ईसी @ 1.0 मिली का प्रति लीटर पानी में घोल बना कर छिड़काव करें।
गेहूँ	गेहूं की फसल में चौड़ी और संकरी पत्ती वाले खरपतवार नियंत्रण के लिए बुवाई के 30-35 दिन बाद क्लोडिनाफॉप प्रोपरगिल 15% + मेटसल्फ्यूरॉन मिथाइल 20% डब्ल्यूपी @ 55-60 ग्राम (ए.आई.) प्रति हेक्टेयर में छिड़काव करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
जीरा	बादल छाएं रहने के कारण जीरा की फसल में झुलसा रोग की सम्भावना है। अतः रोग की रोकथाम के लिए मैन्कोजेब 2 ग्राम का प्रति लीटर पानी की दर से छिडकाव करें।
	ईसबगोल की फसल में बुवाई के 35-40 दिन बाद दूसरी सिंचाई करें।
लहसुन	लहसुन की फसल मे 10-12 दिन के अन्तराल पर सिंचाई करें।
गाजर	गाजर की फसल में 5 -7 दिनों के अन्तराल पर सिंचाई करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	पशुओं को सर्दी से बचाएं तथा रात में पशुओं को गर्म स्थान जैसे की छत के नीचे या घास फूस के छप्पर में बाधें तथा पशुओं के बिछावन को समय समय पर बदले रहें।